मध्यप्रदेश पर्यटन
क्विज़ प्रतियोगिता 2018
राज्य स्तरीय आयोजन

दिनांक : 29 अगस्त, 2018 समयः 2 घंटा प्रातः 10 से 12 बजे तक

प्रतिभागी दल के सदस्यों के नाम

1. नाम.....कक्षा.....
2. नाम.....कक्षा.....
3. नाम.....कक्षा.....

विद्यालय का नाम.....जिला .....

कृपया ध्यान पूर्वक निम्नलिखित निर्देशों का अध्ययन करें, तत्पश्चात प्रश्न–पत्र को हल करें।

1. प्रश्न पत्र में कुल 10 खण्ड हैं। प्रत्येक खण्ड में 10–10 प्रश्न हैं। इस प्रकार कुल प्रश्नों की संख्या 100 है। आपको उत्तर लिखने के लिए पृथक से उत्तर पत्रक दिया जा रहा है। उत्तर पत्रक में प्रत्येक विद्यालय के तीनों विद्यार्थी का नाम लिखेगें। इसके उपरान्त उत्तर–पत्रक में प्रश्न क्रमांक के सामने रिक्त स्थान में अपना उत्तर लिखना प्रारम्भ करेंगें।
2. प्रश्न का उत्तर एक बार में ही लिखना होगा। काटकर लिखा गया उत्तर अमान्य होगा।
3. प्रत्येक सही उत्तर पर 01 अंक दिया जायेगा। प्रश्न हल न करने अथवा गलत हल करने की स्थिति में 0 (शून्य) अंक दिया जायेगा।
4. इस प्रश्न–पत्र को प्रत्येक विद्यालय से आये 03 सदस्यीय टीम एक साथ मिलकर हल करेगी।
5. प्रत्येक टीम को प्रश्न–पत्र के आधार पर उत्तर–पत्रक में उत्तर लिखना हैं। प्रश्न–पत्र विद्यार्थी अपने साथ ले जा सकते हैं। परन्तु उत्तर–पत्रक प्रत्येक टीम को अनिवार्यतः कक्ष पर्यवेक्षक के पास जमा करना होगा।
6. मूल्यांकनकर्ता उत्तर–पत्रक के मूल्यांकन के दौरान निर्देशक के निर्देशों का पालन करते हुए मूल्यांकन करेंगे।
7. उत्तर–पत्रक पर पर्यवेक्षक एवं मूल्यांकनकर्ता दोनों के हस्ताक्षर होंगे।

खण्ड – '1' (बहुविकल्पी प्रश्न)

टीप –प्रश्न क्रमांक 01 से 10 में प्रत्येक प्रश्न में 4 (चार) विकल्प दिये गये हैं इनमें से सही उत्तर का विकल्प छांट कर आपको उत्तर पुस्तिका में लिखना है।

विशेष – मध्य प्रदेश के इतिहास में अनेक राजवंश हुए हैं। इनके आवास मूलतः महल कहलाते हैं। अपनी वास्तुकला, काल अवधि तथा शैलियों हेतु ये महल न सिर्फ पर्यटन के आकर्षण का केन्द्र है। बल्कि हमारे समृद्ध अतीत तथा गौरव का भी प्रतीक है। इस खंड में इसी से संबंधित प्रश्न है।

(1) सीप नदी के किनारे श्योपुर जिले में स्थित ..... महल चार बाग (म्रगल शैली) झरोखे, नक्काशी घूमावदार छाते, (राजपूत शैली) तथा दीवान–ए–आम, दरबारे हाल (सिंधिया शैली) का प्रतिनिधित्व करता है।

(अ) मान महल (ब) नरसिंह महल

(स) राज विलास महल (द) मदन महल

(2) भिंड जिले में ..... स्थित नया महल, जिसका निर्माण राणा छत्र सिंह द्वारा सत्रहवी शताब्दी में किया गया। अपने स्तम्भों, खुले प्रांगण, कोनो, छतरिया तथा छज्जों हेतु प्रसिद्ध है।

(अ) संबलगढ़ महल (ब) गोविन्दगढ़ महल

(स) गोहद महल (द) समरधा महल

(3) शिवपुरी स्थित ..... सिंधिया शासन की ग्रीष्मकालीन राजधानी, गुलाबी लाल रंग का वास्तुकला का अद्भुत नमूना है। संगमरमर से सुसज्जित, वर्तमान में यह भारत सरकार का सी.बी.आई. प्रशिक्षण केन्द्र है।

(अ) सतखंडा महल (ब) हवा महल

(स) नादिरा महल (द) माधव विलास महल

(4) चन्देरी स्थित दरबार हाल के पास स्थित ..... छतविहीन, स्तम्भ युक्त, सुन्दर मानव कृति है। मालवा सुल्तान समकालीन इस महल में सात स्तम्भ इसकी शान है।

(अ) बादल महल (ब) सेन्ट ल्यूक महल

(स) माड़हा महल (द) नरसिंहगढ़ महल

(5) उज्जैन स्थित क्षिप्रा नदी के मध्य द्वीप पर स्थित ..... मांडू सुल्तान द्वारा निर्मित रहा है। कालांतर में पिंडारियों द्वारा इस ध्वस्त कर दिया गया। 1920 में इसे पुनः माधवराव सिंधिया द्वारा बनवाया गया।

(अ) रमनगरा महल (ब) दाहोद महल

(स) कालियादेह महल (द) लोहांगी महल

(6) मल्हार राव द्वारा निर्मित विशाल ..... शहर के मध्य में है। सामने सात मंजिला द्वार है। इसमें कुलदेवता का मंदिर, होल्कर की गद्दो, पंढरीनाथ मंदिर (विष्णु) स्थित है। यह फ्रेंच, मराठा तथा मुगल शैली का मिश्रित उदाहरण है।

(अ) अनहद महल (ब) जूना राजवाड़ा

(स) मोती महल (द) सागर महल

(7) सोने के सिक्को का महल नाम से प्रसिद्ध..... है। यह होशंगशाह उत्तराधिकारी मोहम्मदशाह खिलजी द्वारा निर्मित है। मेवाड़ राजा द्वारा विजयोत्सव रूप में सात मंजिल मीनार बनवाई गई थी। वर्तमान में आज केवल एक मंजिल है।

(अ) पिशनहारी महल (ब) राधव महल

(स) मनियागढ़ महल (द) अशर्फी महल

(8) नरसिंहगढ़ स्थित .....राज दरबार धरोहरों में एक है। 1895 में राजा अर्जुन सिंह द्वारा निर्मित यहां वर्तमान में स्नात्कोत्तर कालेज है। जो 1964 में स्थानीय मांग पर राजा भानू प्रताप सिंह द्वारा दान दिया गया।

(अ) अर्जुन महल (ब) सहदेव महल

(स) ज़ीनत महल (द) नकुल महल

(9) छतरपुर से 18 किमी. दूर मऊ में स्थित ..... बुन्देलखण्ड के उत्तर मध्यकालीन क्षेत्र की स्थाप्य कला का उदाहरण है। किवंदती अनुसार इसे महाराजा छत्रसाल द्वारा बनाया गया था।

(अ) प्रतापगढ़ महल (ब) नेमावर महल

(स) रत्नेश्वर महल (द) धुबेला महल

(10) राजा इंदूमणी की गणिका, कवियत्रि तथा संगीतकार की स्मृति में निर्मित ..... है। यह प्राकृतिक बाग बगीचों एवं पड़ पोधों से घिरा है। औरछा स्थित महल में लघू हाल तथा चेम्बर हैं।

(अ) अठाना राजमहल (ब) गढ़कालिका महल

(स) रायप्रवीण महल (द) संदलवाला राजमहल

खण्ड – '2' (रिक्त स्थान की पूर्ति करें)

टीप – प्रश्न क्रमांक 11 से 20 तक के सभी प्रश्नों में रिक्त स्थान दिये गये हैं आपको प्रश्न पढ़कर सही उत्तर, उत्तर पुस्तिका में लिखना है –

विशेष – मध्य प्रदेश में अनेक प्राकृतिक गुफाऐं तथा शेलाश्रय हैं। इनमें आकर्षण रेखांकित भित्तिचित्र उस काल विशेष की सामाजिक, धार्मिक तथा सांस्कृतिक विचारों को अभिव्यक्त करते है। इनसे हमारी कला संस्कृति के वैभव का आभास होता है। इस खंड में इससे संबंधित प्रश्न है।

(11) मध्य प्रदेश के शहडोल जिले में ..... स्थान में गुफाऐं स्थित है। महाभारत कालीन इन गुफाओं में पांडवों का अज्ञातवास माना जाता है। इसमें करकटी गढो से सिंहपुर तक विशाल सुरंग है। इसमें विचरण करना रोमांच देता है।

(12) उमरिया जिला मुख्यालय से 118 किमी दूर स्थित ..... मेकल पर्वत श्रंखला में है। इसकी खोज तपस्वी सुंदरगिरी ने की था। इसे प्राचीन तपस्वियों की साधना स्थल भी माना जाता है। यहाँ स्थापित शिव मंदिर में, महाशिवरात्री पर मेला लगता है।

(13) सतना जिले के मैहर में ..... पर्वत श्रेणी में पुरातत्व विभाग द्वारा दो पुरातत्व स्थलों मनोरा तथा मढ़ई की खोज की गई। इनमें प्राचीन टीले, गुफाऐं, प्रतिमाऐं आदि विस्तारित है। यहाँ मंदिर वर्गाकार तथा परिसर त्रिकोणीय है।

(14) सिंगरौली जिला स्थित ..... गुफा समूह, मुख्यालय से 22 किमी दूर स्थित है। यहाँ 7वीं 8वीं शताब्दी की गुफाऐं है। मानव निर्मित गुफाओं के अनेक समूह है। जिनका नामकरण चित्रों पर आधारित है यथा – विवाह, रावण, शंकर, गणेश, जलजलैया प्रमुख है।

(15) मध्य प्रदेश के ..... पर्यटक जिले में – खन्दों, गड्डी पहाड़ी, बतारा कूनवार, सलैया– बिल्ली घाट,बदवार, केरहा, जलदर, क्योंटी कुंड, इटार पहाड़, सेमरिया, कक्रेड़ी, शिवपुरवा, पियावन लैदरोघाट, योगनी माता, देउर कोठार, गिंजवा, हनुमना–शैलाश्रय स्थित है।

(16) डिंडोरी जिले मे घोड़ा–मोड़ा गुफा पर शौध कर डॉ. प्रियंका घोसे एवं मन्दर कुमार ने .... पुस्तक लिखी। यहाँ बैगा जनजाति के आदिमानव के अवशेष, अस्थि पंजर तथ दैनिक उपयोग के सामान मिले।

(17) छिंदवाड़ा जिले के तामिया विकासखंड में – स्थित अद्भुत खाईनुमा भौगोलिक संरचना पातालकोट है। इसकी गहराई 2750 से 3259 फीट है। इसमें 12 गाँव बसे है। इसमें .... जनजाति निवास करती है।

(18) भोपाल शहर में महावीर गिरी के पास एक गुफा मंदिर है। यहाँ ..... टेकरी स्थित शैलाश्रय में पाषाण युगीन शैल चित्र पाए जाते हैं। शंखलिपी में उत्कीर्ण शिलालेख भी हैं। जो ब्राम्हीलिपी में विकसित है।

(19) रायसेन जिले में ..... पहाड़ी पर अनेक चित्रित गुफाऐं है। इनका चयन ईको टूरिज्म बोर्ड द्वारा किया गया है। यहाँ क शैल चित्र आस–पास सतकुंड़ा खरबई, उरदेन तक फैले है।

(20) भोजपुर मंदिर के निकट, बेतवा नदी के किनारे ..... गुफा स्थित है। यहाँ पंहुचने हेतु नोकायन तत्पश्चात पत्थरों के बीच से चलकर जाना होता है। यहाँ पुरातातविक महत्व की मूर्तियाँ है। यहाँ बाघ गुफा है, जिसके बारे में किवंदती हो, यहाँ बाघ बैठा करता है।

खण्ड – '3' (दिये गये विकल्पों में से रिक्त स्थान की पूर्ति किजिये)

टीप – प्रश्न क्रमांक 21 से 30 तक के प्रश्नों में एक–एक रिक्त स्थान दिया गया है साथ ही 10 विकल्प भी प्रश्नों के साथ अंकित हैं आपको दिये गयें विकल्पों में से सही विकल्प का चयन कर उत्तर पुस्तिका में प्रश्न क्रमांक के सम्मुख लिखना है।

विशेष – मध्य प्रदेश में अनेक प्राकृतिक जलाशय तथा कृत्रिम बहुउद्देशीय जल परियोजनाऐं है। वर्तमान में ये स्थल सिंचाई तथा विद्युत उत्पादन के साथ–साथ जल पर्यटन तथा जल एडवेंचर सह क्रीडा केन्द्र भी बन चुके है। इस खंड में मध्य प्रदेश के जलाशयों, जल सागर तथा जल प्रपातों से संबंधित प्रश्न है।

(बांण सागर, तकिया, बालाघाट, संग्राम सागर झील, गोविन्दगढ़, अमरकंटक, भेड़ाघाट, रीवा, सौंसर, ड़िंडोरी)

(21) पूर्वी मध्य प्रदेश का प्रमुख पर्यटन स्थल जहा दुग्धधारा जल प्रपात, दुर्गाधारा जल प्रपात, कपिल धारा जलप्रपात शंभुधारा जल प्रपात, जल संरचना दृष्टि से इस पर्यटन स्थल को प्राकृतिक दृष्टि से रोचक स्वरूप देते है।

(22) मध्य प्रदेश के ..... जिले को प्रपातों के समूह नाम से जाना जाता है। यहॉ पुरवा, क्योंटी, टोंस, बेहूती, देऊलाहा, बेलोही, चचाई जलप्रपात है। ये प्राकृतिक जल संरचना तथा जल प्रवाह के आकर्षण है।

(23) मध्य प्रदेश के ..... पर्यटक जिले में जल प्रपातों की श्रंखला है। इनमें– निरसूला कुंड प्रताप, सेवन प्वाइंट वाटर फॉल, देवनारा जल प्रपात, डगौना जल प्रपात, पाताल घारा, किकर कुंड जलप्रपात प्रमुख है।

(24) छिंदवाड़ा जिले में, छिदंवाड़ा–नागपुर मार्ग पर स्थित ..... तहसील स्थल है। जहाँ उमरानाला एवं रामाकोना के बीच स्थित कुकंडीखेड़ा जलप्रपात, जाम नदी पर घोघरा जल प्रपात तथा कान्हान नदी पर लिल्हारी जल प्रपात प्राकतिक सौंदर्य के अनोखे स्थल है।

(25) जबलपुर नर्मदा तट स्थित ..... स्थान है। अविरल नदी प्रवाह में घुँआधार प्रवाह में आवेग युक्त जल है। आगे 100 मीटर पर भूल भुलैया तथा बदर कूदनी संगमरमरी विशाल ऊँची पर्वतीय श्रंखला रूप में है और आगे शांत जल प्रवाह पंचवटी है।

(26) मध्य प्रदेश के रीवा–शहडोल मार्ग पर देवलोद स्थान पर सोन नदी पर निर्मित ..... बहुउद्देशीय परियोजना है। मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश तथा बिहार के संयुक्त तत्वाधान में इसका निर्माण हुआ है। इसके मध्य स्थित दो टापू (सरसी तथा पहाड़ियों) को जल पर्यटन क्षेत्र बनाने की योजना है।

(27) रीवा राजमहल के निकट स्थित..... तालाब महाराज रघुराज सिंह जू देव द्वारा निर्तित है। निकट स्थापित शिलालेख में – स्थापना की कथा दर्ज है। तकनीक तथा शिल्प सौंदर्य दृष्टि से यह बेमिसाल है। मध्य स्थित गोपालबाग टीला पर्यटन कन्द्र है।

(28) मध्य प्रदेश के ..... जिला में अनेक जल संरचनाऐं है। जिनमें हटा की बावड़ी, धुती बाँध (बेनगंगा नदी), नहलेश्वर बाँध (चन्दन नदी), गूगल पारा कुंड़– जलपपात बावनथड़ी– बेनगंगा नदो संगम प्रमुख है।

(29) .....झील, जबलपुर में स्थित है। इसका निर्माण गोंड़ शासक संग्राम शाह द्वारा किया गया है। यहाँ आस–पास मध्य युगीन निर्माण द्दष्टव्य है। यहाँ पानी का तापमान इतना अनुकूल है कि विदेशी प्रवासी पक्षी यहाँ निरन्तर आते है।

(30) भोपाल तालाब में केन्द्र स्थित टापू है। यहाँ संत चिरागअली की दरगाह है जिन्होंने भोपाल शासिका ''मामाला बाई (मा जी साहिबा) के बीमार होने पर सात दिन प्रार्थना कर उन्हें जीवनदान दिया। यहाँ सालाना उर्स होता है। मामोला बाई के आदेश पर चिराग अली को यहाँ दफनाया गया।

खण्ड – '4' (एक शब्द में उत्तर दीजिये)

टीप – प्रश्न क्रमांक 31 से 40 तक में किसी पर्यटन केन्द्र में कला/संस्कृति पर कथन/प्रश्न दिया गया है, इसका उत्तर एक शब्द में उत्तर पुस्तिका में लिखना है।

विशेष – भारत धर्म निरपेक्ष राष्ट्र है। मध्य प्रदेश भारत का हृदय प्रवेश है। यहाँ सम्पूर्ण भारत के अलग–अलग राज्यों, धर्मों, सम्प्रदाय तथा समुदाय के व्यक्ति निवास करते है। यहाँ मुस्लिम तथा सिख्ख समुदाय के अनेक महत्वपूर्ण पर्यटन स्थल है। इस खंड में इससे संबंधित प्रश्न है।

(31) मंडला जिला कलेक्टट के पास भव्य कौन सा चर्च है। 1885 में विशप मलोनी के मार्गदर्शन में निर्मित इस चर्च में प्रति रविवार पूजा होती है। वर्तमान में यह चर्च जबलपुर डायोसिस के अधीन है।

(32) मध्य प्रदेश में कौन से जिल में प्रोटेस्टेंट चर्च (पादरी एंडरसन स्काटलैड मिशन द्वारा निर्मित), कैथोलिक चर्च (चर्च ऑफ इंगलैड द्वारा निर्मित) तथा मोहम्मद शाह वली उर्फ मिया की पीर दरगाह, प्रमुख दर्शनीय आराध्य स्थल है।

(33) मध्य प्रदेश के किस जिले में मुस्लिम धर्मावलम्बियों हेतु रिसाला मस्जिद (छावनी क्षेत्र) तथा जामा मस्जिद (नगर केन्द्र में गोलगंज) है। वही ईसाई सम्प्रदाय हेतु सेट मार्क चर्च तथा एवेंजलिक्स लूथरन चर्च है। ये स्थल वास्तूकला तथा स्थाप्य कला के अनोखे उदाहरण हैं।

(34) मध्य प्रदेश के किस जिले में क्राइस्ट चर्च, सेंट पीटर एंड पाल चर्च, सेंट जार्ज आर्थोडाक्स सीरियन चर्च, सिटी मेयोडिस्ट चर्च, सेंट पाल चर्च, हेरिंगटन चर्च, होली ट्रिनीटी चर्च, डिस्पाइल ऑफ चर्च, सेंट एड्रयूज चर्च स्थित है। जो भारतीय तथा यूरोपीय वास्तुकला के उदाहरण है।

(35) मध्य प्रदेश के किस जिले में हाशम काश्मी का मकबरा, हजरत मुहम्मद शाह की मजार, लागी मस्जिद दरगाह ए कीमी, फारूकी ईदगाह, शाहनवाज मकबरा, अकबरी सराय आदि महत्वपूर्ण पर्यटक स्थल है।

(36) मध्य प्रदेश के किस नगर में कदीमी हमाम कुदासिया बेगम द्वारा निर्मित जामा मस्जिद, सिंकदर जहाँ बेगम द्वारा निर्मित मोती मस्जिद, शाहजहाँ बेगम द्वारा निर्मित सदर मंजिल के साथ–साथ शोकत महल तथा गोहर महल स्थित है।

(37) विदिशा जिले की किस तहसील में दिगम्बर जैन संप्रदाय का विशाल परिसर है। यहाँ बाहूबली (15 फीट) तथा जिनालय (7 शिखर युक्त) है। यहाँ दो पुरानी इमारतें छोटी तथा बड़ी नसियाँ जी है। 1857 के क्रांति दौरान तात्याटोपे आदि क्रांतिकारी यहाँ छिपे रहे।

(38) बैतूल जिले के किस विकासखण्ड में ग्राम थापोड़ा में महान जैन तीर्थ मुक्तागिरी है। सुंदरता रमणीयता, धार्मिक प्रभाव से सभी जनमानस हेतु आकर्षण का केनद्र है। यहाँ 52 जैन मंदिर है। प्रतिवर्ष कार्तिक पूर्णिमा के मेले तथा रथयात्रा का आयोजन होता है।

(39) ग्वालियर किले के अंदर सिख्ख धर्म के छटव गुरू हरगोविन्द साहिब को बंदी बनाया गया था। यहीं सम्राट जहांगीर ने गुरू अर्जुन देव को आदेश–पासा अस सियासत कानून के तहत मार दिया था। यहाँ इनकी स्मृति में कौनसा गुरूद्वारा साहेब बनाया गया है।

(40) मध्य प्रदेश के किस जिले में सतुलन शिला, कमानिया गेट, शहीद स्मारक, फकीर चन्द्र अखाड़ा, विक्टोरिया टाऊन हॉल, रायल होटल, एम्पायर टाकीज़/थियेटर, गोविन्द भवन, पुरातत्व तथा वास्तु दृष्टि से महत्वपूर्ण इमारतें–भवन है।

खण्ड – '5' (व्याख्या आधारित रिक्त स्थान)

टीप – प्रश्न क्रमांक 41 से 50 तक में आपको एक पर्यटन केन्द्र विशेष के संबंध में संक्षिप्त विवरण/पर्यटन महत्व संबंधी व्याख्या दी गई है इसे पढ़कर आपको उस पर्यटन केन्द्र का सही नाम उत्तर पत्रक में प्रश्न क्रमांक के सामने अंकित करना है।

विशेष – मध्य प्रदेश में अनेक राजा–महाराजा, रानी–महारानी सहित साहित्य, कलां, संस्कृति, सांस्कृतिक रंगमंच ललितकलां से जुड़ी अनेक महान हस्तियों की जन्म तथा मृत्यु स्थली रही है। अनेक स्वतंत्रता संग्राम सेनानी तथा राजनेताओं की जन्म भूमि, कर्मभूमि एवं निर्वाण स्थली भी रही है। इस खण्ड में इससे संबंधित प्रश्न है।

(41) गोंड साम्राज्य की महारानी दुर्गावती की समाधि जबलपुर जिले के बाहरा ग्राम के पास स्थित है। इस स्थान पर एक विशाल स्मारक की स्थापना जून, 1964 में हुई। यहाँ रानी, हाथी तथा रानी के पुत्र तीनों की समाधि है। आपको स्थान का नाम बताना है।

(42) मध्य प्रदेश के बुरहानपुर में वोहरा समाज का सुविख्यात तीर्थ स्थल स्थित है। यहाँ सय्यदना अब्दुर कादर हकीमुद्दीन साहब, अब्दुल तैयव जकीउद्दीन साहब तथा सय्यदी शेख जीवन साहब की मजारे है। मजारो के पीछे हकीमी मस्जिद तथा हकीमी उद्यान स्थित है। आपको स्थान का नाम बताना है।

(43) मध्य प्रदेश के एक जिले में उतावली नदी के किनारे शाहनवाज खान का मकबरा तथा पानदान मजार है। यहीं हजरत चुपशाह अली का मकबरा, फारूकी बादशाहों के मकबरे, हजरत मंसूर का मकबरा स्थित है। आपको स्थान का नाम बताना है।

(44) मध्य प्रदेश के राजगढ़ में नरसिंहगढ़ स्थित तत्कालीन शासक ने ब्रिटिश जनरल के विरूद्ध 1824 में खूनो लड़ाई लड़ते हुए वोरगति प्राप्त की। इनकी स्मारक सीहोर जिले में स्थित है। आपको संबंधित शासक का नाम बताना है।

(45) राजा–रानी रूपमति बाजबहादुर का स्मारक राजगढ़ जिले में है। 52 बाजार तथा 53 गली वाले इस नगर में अकोदिया मार्ग दोनों ओर स्थित दो स्मारक इतिहास में अनोखी प्रेमकथा की मिसाल है। वर्षाकाल में जल भराव में इनका प्रतिबिम्ब दृष्टव्य है। आपको स्थान का नाम बताना है।

(46) विदिशा जिले के रेल्वे स्टेशन के निकट 200 फीट ऊँची पहाड़ी ''शेख जलाल चिश्ती'' पर एक कब्र है। इस पर फारसी में लिखे 2 अभिलेख भी है। पहला मालवा सुल्तान महमूद प्रथम (1460) तथा दूसरा मूगल शासक अकबर (1583) के काल के है। आपको किस पीर की कब्र है, का नाम बताना है।

(47) विदिशा जिले के सिरोंज तहसील में चबूरते पर एक मजार है। चमत्कारी महात्मा रूप में हिन्दू मुस्लिम दोनों के चहेते थे। उक्त शाह साहब के समक्ष शेरशाह सूरी ने भी दुआ मांगी थी। आपको किस शाह/पीर की कब्र है, का नाम बताना है।

(48) नर्मदांचल परिक्षेत्र के एक रेल्वे स्टेशन के निकट, संत रामदास स्वामी महाराज की समाधि है। वाणी भाष्य के अनुसार संत जी के पूर्वज कश्यप ऋषि की संतान है। यहाँ नर्मदा तवा संगम पर स्वामी महाराज का आश्रम भी है। आपको स्थान/रेल्वे स्टेशन का नाम बताना है।

(49) होशंगाबाद स्थित पचमढ़ी में – राजभवन से घूपगढ़ मार्ग पर एक स्मृति सतम्भ है। इसे राजभवन के बरामदे से देखा जा सकता है। यह स्तम्भ अंतिम अंग्रेज राज्यपाल हेनरी ट्वाईनम ने अपने पुत्र के पनडुब्बी दुर्घटना में मृत्यू की स्मृति में बनवाया था। आपको स्तम्भ का नाम बताना है।

(50) ग्वालियर स्थित पड़ाव में 1857 के एक स्वतंत्रता संग्राम सैनानी की समाधि है। झांसी से लड़ती हुई स्वतंत्रता सेनानी ग्वालियर आई, यथा सहयोग न होने से ग्वालियर किले से छलांग लगाकर शहीद हुई। यहां वीर तात्याटोपे की समाधि भी है। आपको स्वतंत्रता संग्राम सैनानी का नाम बताना है।

खण्ड – '6' (बहुविकल्पी प्रश्न)

टीप – प्रश्न क्रमांक 51 से 60 में प्रत्येक प्रश्न में 4 (चार) विकल्प दिये गये हैं इनमें से सही उत्तर का विकल्प छांट कर आपको उत्तर पुस्तिका में लिखना है।

विशेष – मध्य प्रदेश पर्यटन दृष्टि से विविधता लिए हुए है। प्रकृति प्रेमी, पुरातत्व रूचि तथा धर्म आध्यात्म आस्थावान सभी प्रमुख आकर्षण केन्द्र यहाँ हैं। पर्यटन स्थलों में खाद्य पदार्थ भी आकर्षण का केन्द्र रहते है। इस खंड में इससे ही संबंधित प्रश्न है।

(51) पूरी के लड्डू, हरा मूंग दाल का पकोड़ा तथा गूलर कबाब – मध्य प्रदेश के ..... क्षेत्र के प्रमुख स्थानीय व्यंजन है।

(अ) बघेलखण्ड (ब) बुन्देलखण्ड

(स) महाकौशल (द) उत्तरांचल

(52) तिल की गजक, मटन रोगन जोश तथा चिक्की – मध्य प्रदेश के ..... क्षेत्र के प्रमुख स्थानीय व्यंजन है।

(अ) चम्बल (ब) मालवा

(स) बुन्देलखण्ड (द) मिथलांचल

(53) मध्य प्रदेश एक मात्र ..... क्षेत्र है, जहाँ राजस्थान, गुजरात तथा महाराष्ट्र तीनों राज्यों के खाद्य पदार्थों का क्षेत्र माना जाता है।

(अ) सौराष्ट्र (ब) निमाड़

(स) मालवा (द) विंध्य

(54) भुट्टे की कीस स्वादिष्ट पोहा जलेबो तथा नमकीन ..... क्षेत्र के प्रमुख स्थानीय व्यंजन है।

(अ) बघेलखण्ड (ब) बुन्देलखण्ड

(स) महाकौशल (द) मालवा

(55) मुगल काल के स्वादिष्ट खाद्य पदार्थों हेतु मध्य प्रदेश का ..... क्षेत्र प्रमुख रूप से जाना जाता है।

(अ) निमाड़ (ब) बुन्देलखण्ड

(स) महाकौशल (द) बघेलखण्ड

(56) कुसली, लोंग, लटिका तथा पालक पुरी–मध्य प्रदेश का ..... क्षेत्र के प्रमुख स्थानीय व्यंजन है।

(अ) बघेलखण्ड (ब) बुन्देलखण्ड

(स) निमाड़ (द) मिथलांचल

(57) कलांकद, लिट्टी–चोखा, छोला बर्राद, तथा फलाहारी आलू–मध्य प्रदेश के ..... क्षेत्र के पमुख स्थानीय व्यंजन है।

(अ) बघेलखण्ड (ब) निमाड़

(स) महाकौशल (द) चम्बल

(58) मध्य प्रदेश में मटन (मांस) के व्यंजनों का स्वर्ग (पैराडाइज) ..... शहर को जाना जता है। यहां हिन्दू मुस्लिम संस्कृति का समावेश आस–पास मिलता है।

(अ) देवास (ब) रतलाम

(स) ग्वालियर (द) भोपाल

(59) मावा कुल्फी, मन भावन लस्सी, देशी घी की खोबे की जलेबी, मावे की बाटी मध्य प्रदेश के ....क्षेत्र के स्थानीय व्यंजन है।

(अ) सागर (ब) जबलपुर

(स) सतना (द) शहडोल

(60) मध्य प्रदेश के चौपाटी संस्कृति का खाद्य बाजार ''सराफा'' मध्य प्रदेश के .....पर्यटन शहर में स्थित है। जहाँ प्रति शाम खाद्य प्रेमियों का सेलाब उमड़ता है।

(अ) जबलपुर (ब) खण्डवा

(स) इन्दौर (द) बुरहानपुर

खण्ड – '7' (रिक्त स्थान की पूर्ति करें)

टीप – प्रश्न क्रमांक 61 से 70 तक के सभी प्रश्नों में रिक्त स्थान दिये गये हैं आपको प्रश्न पढ़कर सही उत्तर, उत्तर पुस्तिका में लिखना है –

विशेष – मध्य प्रदेश के इतिहास में राजा महाराजाओं में सत्ता को लेकर सतत् संघर्ष जारी रहा है। अपनी सल्तनत को बचाने हेतु सुरक्षा दृष्टि से राजाओं ने किलों का निर्माण करवाया। आज ये किले हमारे पुरातत्व तथा वास्तुकला की शान है। इस खंड में इसी से संबंधित प्रश्न है।

(61) मध्य प्रदेश के ..... पर्यटन जिले में स्थित किला विछिया तथा बीहर नदियों के बीच है। इसमें 2 प्रवेश द्वार– गुरगी (पुरतिया) तथा घाडियारी है। इसमें विशालकाय सांकेतिक घड़ी है।

(62) मध्य प्रदेश के ..... पर्यटन जिले में स्थित माघोगढ़ किला, जो टमस नदी के किनारे स्थित है। इसका निर्माण विश्वनाथ सिंह जूदेव द्वारा कराया गया। इसका विवरण रहमान अली लिखित व्याघ्रदेव संग्रह में अंकित है।

(63) मंडला जिला स्थित ..... किले का निर्माण 17वीं शताब्दी में गोंड राजाओं ने कराया। यह तीन ओर से नर्मदा नदी से घिरा हो। चौथी ओर खाई स्थित है। इसके भीतर एक त्रिमंजिला क्षतिग्रस्त महल है।

(64) छिंदवाड़ा जिले के मोहगांव में स्थित ..... किला 24 मील में फैला है। गोंड़ वंशजों की राजधानी के रूप में रहा है। इसमें मोती टांका तालाब है। जल इतना स्वच्छ कि तलहटी से सिक्का भी स्पष्ट रूप से दिख जाता है।

(65) नरसिंहपुर जिले में गाडरवाड़ा स्टेशन से 19 किमी. दूर स्थित ..... किला है। इसे 13वीं सदी में गोड़ शासक संग्रामशाह ने बनवाया। इसके निकट नोनिया में 6 विशाल प्रतिमाऐं दृष्टव्य है। अंग्रेजी ने मराठा युद्ध में इसे ध्वस्थ किया। इसका वैभवशाली पुरातत्व देखने योग्य है।

(66) मध्य प्रदेश में बुन्देलखण्ड रियासत के राजा विक्रमाजीत सिंह द्वारा राज्य की सुदृढ़ता हेतु ओरछा के स्थान पर ..... किला स्थापित किया। यह टिहरी पहाड़ी पर स्थित है। इसके सुरक्षा परकोटे में 8 दरवाजे है।

(67) बुन्देलखण्ड में डंगई क्षेत्र में विध्यांचल की पहाड़ियों में 5 मंजिला नुमा भव्य ..... किला है। इसमें तल घर (प्रथम), गैलरी आवासीय बैठक (द्वितीय), कांच कोठी (तृतीय), दरवार हाल (चतुर्थ) एवं छतरी (पांचवी) मंजिल है। यह इडा–ईरानी सभ्यता का अनोखा नमूना है।

(68) राजगढ जिले में विंध्यांचल की पर्वत श्रंखलाओं में 52 एकड़ में फैला ..... किला राजपूत मालवा तथा विक्टोरियन शैली का समिश्रण है। सुरक्षा व्यवस्था अभाव में 1980 में स्थानीय लुटेरो ने इसे खजाने की लालच में व्यापक नुकसान पंहुचाया।

(69) विदिशा जिले के सिरोंज तहसील में काशीघाट मार्ग पर ..... है। इसके संस्थापक शेरशाह सूरो के रसद प्रदायकर्ता बेदलराय चौधरी रह। इसकी 2 से 4 मंजिल काले पत्थर तथा शेष ईटें चूने से बनी है।

(70) बतूल जिला मुख्यालय से 7 किमी. दूर..... किला स्थित है। 13वीं शताब्दी के उत्तरार्ध में इसे बनाया गया। लम्बे समय तक बहमनी सेनाओं का शिविर स्थल रहा। इसमें एक प्राचीन तालाब दो समाधि तथा नक्काशीदार पत्थरों की दीवारें/मेहराब है।

खण्ड – '8' (दिये गये विकल्पों में से रिक्त स्थान की पूर्ति किजिये)

टीप – प्रश्न क्रमांक 71 से 80 तक के प्रश्नों में एक–एक रिक्त स्थान दिया गया है साथ ही 10 विकल्प भी प्रश्नों के साथ अंकित हैं आपको दिये गयें विकल्पों में से सही विकल्प का चयन कर उत्तर पुस्तिका में प्रश्न क्रमांक के सम्मुख लिखना है।

विशेष – मध्य प्रदेश में हिन्दू एवं हिन्दी बाहूल्य जनमानस अपेक्षाकृत अधिक है। यहाँ अनेक प्राचीन, पोराणिक, आध्यात्मिक तथा पुरातत्व दृष्टि में महत्वपूर्ण मंदिर परिसर है। यहाँ अनेक धार्मिक तथा सांस्कृतिक आयोजन होते है। इस खंड में इसमें संबंधित प्रश्न है।

(भोजपुर, सूर्यमंदिर, कन्दरिया महादेव, रावण–कुम्भकर्ण, चर्तुभुज नाथ, गोपालपुर, सलकनपुर, जबलपुर, मनधाता/शिवपुरी, नन्दीश्वर)

(71) जबलपुर के निकट 15 किमी. दूर लम्हेटाघाट स्थित पर्यटन ग्राम ..... है, यहाँ स्थापित लक्ष्मी नारायण का मंदिर, एकादशी देवी का मंदिर, पशुपतिनाथ का मंदिर मुड़िया मठ, महिषासुर–रूद्र के ग्यारह स्वरूप देवी गायत्री का मंदिर यहाँ की विशेषता है।

(72) नर्मदा प्रवाह क्षेत्र में ..... जिले में नर्मदा तट पर रामलला हनुमान मंदिर, गीताधाम, राधाकृष्ण, बादशाह हलवाई मंदिर, गणेश मंदिर, तिलादेश्वर महादेव शिवनाग मंदिर, आदित्येश्वर मंदिर, बाबा हनुमान दरबार धार्मिक आस्था तथा आध्यात्म आराधना के केन्द्र है।

(73) मध्य प्रदेश के जबलपुर स्थित ..... द्वीप देश का सबस बड़ा जैन मंदिर माना जाता है। संगमरमर निर्मित इसका शिखर 30 फीट, व्यास 110 फीट तथा ऊचाँई 65 फीट है। चार द्वार युक्त इसमें एक भी स्तम्भ नही है। इसमें स्थित 52 संगमरमर जिनालय, 52 चट्टाने तथा 132 जिन मूर्ति इसकी विशालता के प्रतीक है।

(74) खंडवा जिले के मोरटक्का से 12 मील दूर नर्मदा नदी के मध्य ..... नामक द्वीप पर ओंकारेश्वर महादेव विराजमान है। यह भारत के 12 ज्योतिलिंगो में एक माना जाता है। इसके निकट इंदिरा सागर बाध परियोजना है।

(75) सिहोर जिले में ..... गाँव में 800 फीट ऊँची पहाडी पर देवी दुर्गा अवतार ''विजासन देवी'' का मंदिर स्थित है। 1000 सीढ़ियाँ इसका मार्ग प्रशस्त करती है। वर्तमान में पहाड़ी के किनारे चारों ओर से सड़क मार्ग तथा ऐयरो रोपवे मार्ग भी विकसित किया गया है।

(76) रायसेन जिले में बेतवा नदी किनारे स्थित अपूर्ण शिव मंदिर .....ग्राम में स्थित है। माना जाता है कि इसमें मंडप, महामंडप, अंतराल नही बन पाए। इसे भारत की प्रथम गुम्बद वाली इमारत माना जाता है। यह भारत का एक शिला का सबसे बड़ा शिवलिंग है।

(77) राजगढ़ जिले के सांगरपुर में, भातखेड़ी ग्राम में 2 आदमकद प्रतिमाऐं है। रामायण कालोन दो पात्रों की य प्रतिमाऐं ..... की है। लगभग 100 वर्षों से दशहरा उपरान्त इनका वध करके पूजा की जा रही है। यह मध्य प्रदेश में एकमात्र उदाहरण है।

(78) मध्य प्रदेश में ब्यावरा (राजगढ़) में जूना ब्यावरा क्षेत्र में 1100 साल पुराना ..... चतुर्भुज मंदिर है। यहॉ विष्णु भगवान अपनी दो पत्नी के साथ विराजमान है। 6 खम्भो पर टिके मंदिर में परमार कालीन कलाकृतियाँ है। इसमें पहले रत्न जवाहरात लगे थे। इनके निकाले जाने के अवशेष गढ़ढ़े दिखाई देते है।

(79) छतरपुर स्थित खजुराहो में चन्देल वंशीय कला का अद्भुत मंदिर ..... है। जहाँ सर्वप्रथम जनमानस को प्रवेश अनुमति मिली। यहाँ प्रतिवर्ष संस्कृति एवं पर्यटन विभाग के संयुक्त तत्वाधान में अन्तराष्ट्रीय नृत्य (शास्त्रीय) समारोह होता है।

(80) टीकमगढ़ जिले में – टीकमगढ़ नंदनबारा माग पर खेरा ग्राम से 20 किमी. दूर मड़खेरा है। यहाँ एक .....मंदिर स्थित है। सातवी सदी का गुर्जर प्रतिहार वंश कालीन इस मंदिर में सात घोड़े के साथ–साथ अनेक देवी देवता मूर्तियाँ है।

खण्ड – '9' (एक शब्द में उत्तर दीजिये)

टीप – प्रश्न क्रमांक 81 से 90 तक में किसी पर्यटन केन्द्र में कला/संस्कृति पर कथन/प्रश्न दिया गया है, इसका उत्तर एक शब्द में उत्तर पुस्तिका में लिखना है।

विशेष – मध्य प्रदेश कला तथा संस्कृति दृष्टि से अनेकता में एकता लिए हुए हैं। यहाँ संगीत, गीत, नृत्य, चित्रकला, नाटक आदि से संबंधित अनेक समारोह होते है। इसके अलावा धार्मिक, आध्यात्मिक पारम्परिक तथा रीति रिवाजो पर आधारित मेले आयोजित होते है। इस खंड में इससे संबंधित प्रश्न है।

(81) सतना जिले में मैहर में 1918 में ऐतिहासिक मैहर बैंड की स्थापना किसके द्वारा की गई। जो सितारवादक रविशंकर तथा पन्ना लाल घोष के गुरू रहे। 1949 में इस बैंड का अवसान समय आया। तब केन्द्र सरकार ने यहाँ संगीत महाविद्यालय खोलकर इसे जीवनदान दिया। आपको व्यक्ति विशेष का नाम देना है।

(82) मध्य प्रदेश के छतरपुर जिले में किस स्थान पर साहू शांति प्रसाद जैन कला संग्रहालय, जाडिन संग्रहालय आदिवासी लोककला राज्य संग्रहालय तथा शिल्पग्राम हो। यहाँ प्रकाश ध्वनि का विशेष कार्यक्रम होता है। जिसकी आवाज अमिताभ बच्चन ने दी है। आपको स्थान का नाम देना है।

(83) खंडवा जिले में किस स्थान पर प्रख्यात गायक किशोर कुमार का जन्म स्थान रहा है। यह वर्तमान में उनका एक स्मारक है। इसका भूमिपूजन अशोक कुमार ने किया। उदघाटन राजेश खन्ना ने किया। देखभाल तथा सुरक्षा मध्य प्रदेश सरकार तथा नगम निगम खंडवा करते है। आपको स्थान का नाम देना है।

(84) मध्य प्रदेश के किस शहर में इंदिरा गाधी मानव संग्रहालय, जनजातोय संग्रहालय, राज्य संग्रहालय, आंचलिक विज्ञान केन्द्र, भारत भवन, रविन्द्र भवन, मूल्लाजी रम्मू जी संस्कृति भवन स्थित है। जो कला, संस्कृति, पुरातत्व तथा स्थाप्यकला की पहचान है। आपको स्थान का नाम देना है।

(85) रायसेन में राजा सूर्य नरेश की नगरी, कुन्तलपर/कोकलपुर में प्रतिवर्ष देव उठनी ग्यारस पर किस भव्य मेले का आयोजन होता है। यहाँ क्रेता/विक्रेता आस–पास जिलो से आते है। आपको किसका मेला लगता है, का नाम बताना है।

(86) छिंदवाड़ा में 1895 में किसकी पहल पर साहित्यिक अभिरूचि के समाज ने नागरिको के सहयोग से मेकाले योजना के अंग्रेजी शिक्षा के विरोध में हिन्दी नागरी प्रचारिणी समिति की स्थापना की गई। आपको व्यक्ति विशेष का नाम देना है।

(87) मंडला के किस यशस्वी नागरिक ने स्थानीय भूगोल तथा इतिहास के सहेजने हेतु गोडी इतिहास के व्यापक प्रचार–प्रसार विस्तार हेतु अपनी निजी सम्पत्ति से गौंडी पब्लिक ट्रस्ट की स्थापना की। इस गौंड़ी पब्लिक ट्रस्ट संग्रहालय दर्शनीय है। आपको व्यक्ति विशेष का नाम देना है।

(88) चन्देरी के निकट शहजादी का रोजा स्थान पर ज्येष्ठ माह के आखिरी सप्ताह में कौनसा मेला आयोजित होता है। नव विवाहतों हेतु यह विशेष महत्व रखता है। पतंगबाजी उत्सव होता है। प्रथम दिवस पत्नी पति को परमेश्वर ताल सहरा बांधती है। अगले दिवस वधु पक्ष वर पक्ष को आमंत्रित करते है। आपको मेले का नाम देना है।

(89) गना जिले में भामावड़ में पिछले 70 वर्षों से किस प्रख्यात संत के नाम से मेला लगता है। संत के प्रवर्तक तथा अनुयायी प्रतिवर्ष उनकी जयंती पर आते है। आनंदित होते है। आपको संत विशेष का नाम देना है।

(90) मध्य प्रदेश की ऐसी कौनसी ऐतिहासिक सांस्कृतिक धरोहर है, जिसमें समस्त कलाओं के मंचन संवर्धन तथा अभिव्यक्ति की सर्व सुविधा युक्त ह्रदय स्थली है। इनमें रूपंकर (चित्रवीथिका) रंगमंडल (नाट्य पुस्तकालय/डाटा बैंक) वागर्थ (कविता केन्द्र) अनहद (शास्त्रीय/लोककला) एवं छवि (फिल्म) कलाओं के प्रमुख केन्द्र है। आपको ऐतिहासिक सांस्कृतिक धरोहर का नाम देना है।

खण्ड – '10' (व्याख्या आधारित रिक्त स्थान)

टीप – प्रश्न क्रमांक 91 से 100 तक में आपको एक पर्यटन केन्द्र विशेष के संबंध में संक्षिप्त विवरण/पर्यटन महत्व संबंधी व्याख्या दी गई है इसे पढ़कर आपको उस पर्यटन केन्द्र का सही नाम उत्तर पत्रक में प्रश्न क्रमांक के सामने अंकित करना है।

विशेष – मध्य प्रदेश में अनेक वनाच्छादित पर्वत श्रंखलाऐं है। यहाँ वे घने वन, वन्यजीवों तथा पशपक्षियों के प्राकृतिक आवास हो इसीलिए मध्य प्रदेश में सर्वाधिक राष्ट्रीय उद्यान तथा वन्यजीव अथ्यारण्य है। मध्य प्रदेश को टायगर स्टेट भी कहा जाता है। इस खंड में इससे संबंधित प्रश्न है।

(91) मध्य प्रदेश की एक मात्र टायगर सफारी है, जिसका निर्माण 1912 में आरम्भ हुआ। 2016 में सम्पन्न हुआ। इसका नामकरण महाराजा मार्तण्ड सिंह जूदेव के नाम पर हुआ। यहाँ बाघ प्रजाति के कृत्रिम प्रजनन द्वारा दुर्लभतम बाध की खोज की गई। आपको टायगर सफारी का नाम बताना है।

(92) मध्य प्रदेश स्थित टायगर रिजर्व जहाँ के महत्वपूर्ण पर्यटन स्थल – कन्हयादह, बेटीदह रमदहा कुंड, ढ़ोगा मंदिर, बरचर बांघ, बनास ट्रेल, गिद्धा पहाड़, राजगढ़ी, बगरारा शैलचित्र तथा कोमारी वाफिंग ट्रेल आकर्षण का केन्द्र है। आपके टायगर रिजर्व का नाम बताना है।

(93) मध्य प्रदेश में स्थापित एक अभ्यारण्य सीधी, सतना सिंगरोली तथा शहडोल जिलो की सीमा में विस्तारित है। सोन नदी, गोपद नदी तथा बनास नदी इसके स्थापना प्रवाह क्षेत्र है। यह रैप्टाईल सरीसृप वर्ग के जीव विशेष होते है। आपको अभ्यारण्य का नाम बताना है।

(94) वाइल्ड लाईफ प्रोटेक्शन एक्ट के अन्तर्गत स्थापित घुघवा राष्ट्रीय जीवाश्म उद्यान के प्रमुख जीवाश्मों की खोज इस वैज्ञानिक ने की थी। 5 मई, 1983 में इसे राष्ट्रीय उद्यान घोषित किया गया। आपको इस व्यक्ति का नाम बताना है।

(95) बालाघाट में वारासिवनी–सिवनी रोड पर लालबर्रा के निकट पाथर शाही से 5 किमी. दूर एक पहाड़ी है। यहाँ के शासक आल्हा उदल चंदेल सेनापति थे। यहाँ अनेक प्राकृतिक संरचनाऐ है। इनमें आल्हा बैठक प्रमुख है। आपको स्थान का नाम बताना है।

(96) सिवनी जिले स्थित पेंच राष्ट्रीय उद्यान में छुई से 10 किमी. व सिवनी से 32 किमी. दूर यह स्थान स्थित है। इस स्थान क वर्णन प्रख्यात साहित्यकार नोबेल पुरूस्कार विजेता रूडयार्ड किपलिंग ने अपनी किताब जंगल बुक में किया है। सोना रानी महल तथा हिर्री नदी आकर्षण का केन्द्र है। आपको ईको पर्यटन केन्द्र का नाम बताना है।

(97) होशंगाबाद से 65 किमी. दूर सोहागपुर से 18 किमी. दूर मध्य प्रदेश का सबसे बड़ा ईको पर्यटन केन्द्र स्थित है। शारनपुर बीजाखारी तथा रैनापानी ग्राम से तवा बाँध पानी को क्रासकर यहाँ पंहूचा जा सकता है। यहाँ वन विभाग का गेस्ट हाऊस है। आपको पर्वत श्रंखला का नाम बताना है।

(98) पचमढ़ी स्थित धूपगढ़ चोटी इस पर्वत की सबसे ऊँची चोंटी है। इसकी ऊँचाई 4423 फीट है। इसके चारो ओर सतपुड़ा राष्ट्रीय उद्यान है। 1870 में ब्रिटिशर्स ने यहाँ सेनीटोरियम की स्थापना की। आपको पर्वत श्रंखला का नाम बताना है।

(99) पचमढ़ी वर्ल्ड बायोस्फेयर क्षेत्र में एक पहाड़ी की खोज तथा इसका पूर्व नाम ब्रिटिशर्स द्वारा रखा गया। इसे बाद में भारत के राष्ट्रपति राजेन्द्र प्रसाद के स्वास्थ्य लाभ स्थान हेतु राजेन्द्र गिरी नाम से जाना गया। स्वतंत्रता समय इसे हिन्दी नाम से जाना जाता था। आपको इसका स्वतंत्रता के समय रखे गये नाम को बताना है।

(100) भारत के प्राचीन वन अभ्यारण्य के रूप में यह होशंगाबाद के सतपुड़ा क्षेत्र में विस्तारित ह। यह 518 वर्गमीटर में फैला है। पूर्व तथा उत्तर में सतपुड़ा राष्ट्रीय उद्यान तथा पश्चिम में तवा नदी बहती है। आपको अभ्यारण्य का नाम बताना है।

मध्यप्रदेश पर्यटन

राज्य स्तरीय क्विज प्रतियोगिता 2018

उत्तर पुस्तिका

1.	26.	51.	76. .....
2.	27.	52.	77. .....
3.	28.	53.	78. .....
4.	29.	54.	79. .....
5.	30.	55.	80. .....
6.	31.	56.	81. .....
7.	32.	57.	82. .....
8.	33.	58.	83. .....
9.	34.	59.	84. .....
10.	35.	60.	85. .....
11.	36.	61.	86. .....
12.	37.	62.	87. .....
13.	38.	63.	88. .....
14.	39.	64.	89. .....
15.	40.	65.	90. .....
16.	41.	66.	91. .....
17.	42.	67.	92. .....
18.	43.	68.	93. .....
19.	44.	69.	94. .....
20.	45.	70.	95. .....
21.	46.	71.	96. .....
22.	47.	72.	97. .....
23.	48.	73.	98. .....
24.	49.	74.	99. .....
25.	50.	75.	100. .....

प्रतिभागी दल के सदस्यों के नाम

1. नाम.....2. नाम.....

3. नाम.....4. नाम.....

हस्ताक्षर हस्ताक्षर हस्ताक्षर हस्ताक्षर

विद्यालय का नाम.....जिला .....

कुल प्राप्तांक (अंको में).....शब्दों में .....

मूल्यांकनकर्ता का नाम एवं हस्ताक्षर .....

पर्यवेक्षक का नाम एवं हस्ताक्षर .....

मध्यप्रदेश पर्यटन
क्विज प्रतियोगिता 2018

आर्दश उत्तर पुस्तिका

1. (ब) नरसिंह महल
2. (स) गोहद महल
3. (द) माधव विलास महल
4. (अ)बादल महल
5. (स) कालिया देह महल
6. (ब) जूना राजवाड़ा
7. (द) अशर्फी महल
8. (अ) अर्जुन महल
9. (द) धबेला महल
10. (स) रायप्रवीण महल
11. लखबरिया
12. अमोलखोह
13. केमर
14. माढ़ा (माड़ा)
15. रीवा
16. डिण्डोरी मेन
17. भारिया
18. मनुआभान
19. समरधा
20. पार्वती
21. अमरकंटक
22. रीवा
23. डिंडोरी
24. सोंसर
25. भेड़ाघाट
26. बाण सागर
27. गोविन्दगढ़
28. बालाघाट
29. संग्राम सागर झील
30. तकिया
31. सेंट ल्यूक्स
32. सिवनी
33. छिंदवाड़ा
34. जबलपुर
35. बुरहानपुर
36. भोपाल
37. नसिया जी
38. भैंसंदेही
39. दाता बंदी छोड़
40. जबलपुर
41. नर्रईनाला
42. दरगाह ए हकीमी
43. बुरहानपुर
44. कुंवर चैन सिंह
45. सारगपुर
46. लोहांगी पीर
47. शाह मजनू सर्हद
48. होशंगाबाद
49. वात्सलय
50. महारानी लक्ष्मीबाई
51.(ब) बुन्देलखंड
52.(अ) चम्बल
53.(स) मालवा
54. (द) मालवा
55. (अ) निमाड़
56. (स) निमाड़
57. (अ) बघेलखंड
58. (द) भोपाल
59. (ब) जबलपुर
60. (स) इन्दौर
61. रीवा
62. सतना
63. रामनगर
64. देवगढ़
65. चोरागढ़
66. टीकमगढ़
67. विजावर
68. नरसिंहगढ़
69. रावजी की हवेली
70. खेड़ला किला
71. गोपालपुर
72. जबलपुर
73. नंदीश्वर
74. मन्धाता (शिवपुरी)
75. सलकनपुर
76. भोजपुर
77. रावण–कुम्भकर्ण
78. चतुर्भुज नाथ मंदिर
79. कंदरिया महादेव
80. सूर्य मंदिर
81. अलाउद्दीन खां साहेब
82. खजुराहो
83. गोरीकुंज
84. भोपाल
85. मिठाई मेला
86. मारोती राव ओकटे
87. रामभरोसे अग्रवाल
88. गाजी मिया का मेला
89. तेजाजी का मेला
90. भारत भवन
91. मुकुन्दपुर व्हाइट टायगर सफारी
92. संजय डुबरी
93. सोन घडियाल
94. डॉ. धर्मेन्द्र प्रसाद
95. कव्हरगढ़
96. अमोदागढ़
97. मढ़ई
98. सतपुड़ा
99.मनोरम गिरी
100. बोरी